भारत में खाद्य सुरक्षा

इस अध्याय के सभी महत्वपूर्ण प्रश्न – उत्तर सहित। पहले खुद हल करने की कोशिश करो, फिर उत्तर मिलाओ।

अभ्यास प्रश्न-उत्तर (हर टॉपिक से)

» खाद्य सुरक्षा का अर्थ और आयाम

प्रश्न 1 (आसान). खाद्य सुरक्षा के तीन मुख्य आयाम कौन-कौन से हैं?
उत्तर – उपलब्धता (Availability), पहुँच (Accessibility) और सामर्थ्य (Affordability)।

प्रश्न 2 (आसान). खाद्य उपलब्धता का क्या अर्थ है?
उत्तर – देश में कुल खाद्य उत्पादन, आयात और सरकारी भंडारों में मौजूद अनाज के कुल स्टॉक से है।

प्रश्न 3 (मध्यम). केवल दो जून की रोटी पा लेना ही खाद्य सुरक्षा क्यों नहीं कहलाता?
उत्तर – क्योंकि खाद्य सुरक्षा का अर्थ केवल पेट भरना नहीं, बल्कि हर समय पर्याप्त, पौष्टिक और सुरक्षित भोजन की निरंतर उपलब्धता, पहुँच और खरीदने की क्षमता होना है।

प्रश्न 4 (कठिन). यदि किसी देश में खाद्यान्न का रिकॉर्ड उत्पादन हुआ हो, फिर भी वहाँ अकाल या भुखमरी जैसी स्थिति कैसे उत्पन्न हो सकती है?
उत्तर – यदि वितरण प्रणाली खराब होने से अनाज लोगों तक पहुँच (Accessibility) न पाए या मुद्रास्फीति/गरीबी के कारण लोग उसे खरीदने में सक्षम (Affordability) न हों, तो रिकॉर्ड उत्पादन के बावजूद भुखमरी फैल सकती है।

» आपदा और भुखमरी का प्रभाव

प्रश्न 5 (आसान). प्राकृतिक आपदा के समय खाद्यान्न की कीमतों पर क्या प्रभाव पड़ता है?
उत्तर – खाद्यान्न की कमी के कारण कीमतें बहुत बढ़ जाती हैं।

प्रश्न 6 (आसान). 1943 का भयानक अकाल भारत के किस राज्य में पड़ा था?
उत्तर – बंगाल प्रांत में।

प्रश्न 7 (मध्यम). अकाल (Famine) की स्थिति कैसे पैदा होती है?
उत्तर – जब कोई आपदा लंबे समय तक रहती है, तो खाद्यान्न की कमी से कीमतें बढ़ती हैं, जिससे व्यापक भुखमरी फैलती है और अकाल की स्थिति बनती है।

प्रश्न 8 (कठिन). व्यापक भुखमरी के दौरान लोगों की मृत्यु केवल भूख से नहीं होती, इसके अन्य क्या कारण हैं?
उत्तर – दूषित जल या सड़ने वाले भोजन के प्रयोग से फैलने वाली महामारियों और शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता घटने से फैलने वाली बीमारियों के कारण भी मृत्यु होती है।

» खाद्य-असुरक्षित वर्ग और सामाजिक संरचना

प्रश्न 9 (आसान). शहरों में कौन सा वर्ग खाद्य असुरक्षा से सबसे अधिक प्रभावित होता है?
उत्तर – कम वेतन वाले और अनियत (दिहाड़ी) श्रम बाज़ार में काम करने वाले मजदूर।

प्रश्न 10 (आसान). परिवार में कौन सा आयु और लिंग समूह कुपोषण से सबसे ज़्यादा प्रभावित होता है?
उत्तर – गर्भवती व दूध पिलाने वाली महिलाएँ और 5 वर्ष से कम उम्र के बच्चे।

प्रश्न 11 (मध्यम). सामाजिक संरचना किस प्रकार किसी व्यक्ति को खाद्य-असुरक्षित बनाती है?
उत्तर – निचली जातियों के पास भूमि का आधार कमजोर या कम उपजाऊ होता है, जिससे उनकी आय कम रहती है और वे खाद्य-असुरक्षित हो जाते हैं।

प्रश्न 12 (कठिन). मौसमी बेरोजगारी और दीर्घकालिक भुखमरी में क्या अंतर है?
उत्तर – मौसमी भुखमरी फसल चक्र या अनियत काम से जुड़ी होती है (जैसे 4 महीने काम न मिलना), जबकि दीर्घकालिक भुखमरी लगातार अत्यंत कम आय और पौष्टिक भोजन न मिलने के कारण होती है।

» भुखमरी के प्रकार: दीर्घकालिक और मौसमी

प्रश्न 13 (आसान). दीर्घकालिक भुखमरी का मुख्य कारण क्या है?
उत्तर – लगातार कम आय और पर्याप्त भोजन खरीदने की अक्षमता।

प्रश्न 14 (आसान). मौसमी भुखमरी मुख्य रूप से किस क्षेत्र के मजदूरों में पाई जाती है?
उत्तर – कृषि क्षेत्र और अनियत (मौसमी) निर्माण कार्य में लगे मजदूरों में।

प्रश्न 15 (मध्यम). दीर्घकालिक और मौसमी भुखमरी में मुख्य अंतर स्पष्ट कीजिए।
उत्तर – दीर्घकालिक भुखमरी पूरे वर्ष कम आय के कारण बनी रहती है, जबकि मौसमी भुखमरी वर्ष के कुछ खास महीनों में काम न मिलने के कारण होती है।

प्रश्न 16 (कठिन). क्या एक ही परिवार मौसमी और दीर्घकालिक दोनों भुखमरी का शिकार हो सकता है? उदाहरण देकर समझाइए।
उत्तर – हाँ, यदि परिवार की आय पूरे साल इतनी कम हो कि वे संतुलित भोजन न पा सकें (दीर्घकालिक) और बेरोज़गारी के महीनों में स्थिति इतनी बिगड़ जाए कि उन्हें भूखे पेट सोना पड़े (मौसमी)।

» भारत में खाद्यान्न आत्मनिर्भरता और हरित क्रांति

प्रश्न 17 (आसान). भारत में हरित क्रांति किस दशक में शुरू हुई थी?
उत्तर – 1960 के दशक में।

प्रश्न 18 (आसान). हरित क्रांति का सबसे अधिक प्रभाव किन दो मुख्य फसलों पर पड़ा?
उत्तर – गेहूं और चावल पर।

प्रश्न 19 (मध्यम). 1968 में प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने हरित क्रांति की प्रगति को दर्ज करने के लिए कौन-सा डाक टिकट जारी किया था?
उत्तर – 'गेहूं क्रांति' (Wheat Revolution) शीर्षक से डाक टिकट जारी किया था।

प्रश्न 20 (कठिन). हरित क्रांति ने भारत को खाद्यान्न सुरक्षा प्रदान करने में कैसे मदद की?
उत्तर – हरित क्रांति से देश में अनाज (विशेषकर गेहूं और चावल) का उत्पादन इतना बढ़ गया कि प्रतिकूल मौसम या आपदा के समय भी देश में अकाल नहीं पड़ा और भारत आत्मनिर्भर बन गया।

» बफर स्टॉक और न्यूनतम समर्थित कीमत (MSP)

प्रश्न 21 (आसान). MSP का पूरा नाम क्या है?
उत्तर – न्यूनतम समर्थित कीमत (Minimum Support Price)

प्रश्न 22 (आसान). भारत में सरकार के लिए बफर स्टॉक में अनाज कौन-सी संस्था खरीदती है?
उत्तर – भारतीय खाद्य निगम (FCI)

प्रश्न 23 (मध्यम). बफर स्टॉक बनाने का मुख्य उद्देश्य क्या है?
उत्तर – अनाज की कमी वाले क्षेत्रों में आपूर्ति करना और आपदा या भुखमरी की स्थिति में सस्ते दामों पर अनाज उपलब्ध कराना।

प्रश्न 24 (कठिन). MSP और निर्गम कीमत (Issue Price) के बीच मुख्य अंतर स्पष्ट कीजिए।
उत्तर – MSP वह कीमत है जिस पर सरकार किसानों से अनाज खरीदती है (उत्पादन प्रोत्साहन हेतु), जबकि निर्गम कीमत वह रियायती दर है जिस पर सरकार गरीबों को राशन दुकानों के माध्यम से बफर स्टॉक का अनाज बेचती है।

» सार्वजनिक वितरण प्रणाली (PDS) और राशन कार्ड

प्रश्न 25 (आसान). PDS का पूरा नाम अंग्रेज़ी और हिंदी में क्या है?
उत्तर – Public Distribution System (सार्वजनिक वितरण प्रणाली)।

प्रश्न 26 (आसान). अंत्योदय कार्ड किस वर्ग के लोगों के लिए बनाया जाता है?
उत्तर – निर्धनों में भी सबसे गरीब (Poorest of the poor) लोगों के लिए।

प्रश्न 27 (मध्यम). APL और BPL राशन कार्ड में मुख्य अंतर क्या है?
उत्तर – APL कार्ड गरीबी रेखा से ऊपर (Above Poverty Line) के परिवारों के लिए होता है, जबकि BPL कार्ड गरीबी रेखा से नीचे (Below Poverty Line) रहने वाले निर्धन परिवारों के लिए होता है जिन्हें अधिक आर्थिक छूट मिलती है।

प्रश्न 28 (कठिन). सार्वजनिक वितरण प्रणाली (PDS) भारत में खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करने में कैसे मददगार साबित हुई है?
उत्तर – PDS ने बफर स्टॉक के अनाज को देश भर की 5.5 लाख राशन दुकानों के माध्यम से सस्ते दामों पर गरीबों तक पहुँचाया है, जिससे अकाल और भुखमरी को रोकने में मदद मिली है और बाज़ार में कीमतें भी स्थिर रही हैं।

» खाद्य सुरक्षा अधिनियम एवं विशेष योजनाएँ

प्रश्न 29 (आसान). National Food Security Act (NFSA) किस वर्ष लागू किया गया था?
उत्तर – वर्ष 2013 में।

प्रश्न 30 (आसान). अन्नपूर्णा योजना किस वर्ग के लोगों के लिए शुरू की गई थी?
उत्तर – दीन एवं बेसहारा वरिष्ठ नागरिकों के लिए।

प्रश्न 31 (मध्यम). NFSA 2013 के तहत ग्रामीण और शहरी आबादी का कितना प्रतिशत कवर किया जाता है?
उत्तर – 75 प्रतिशत ग्रामीण और 50 प्रतिशत शहरी जनसंख्या।

प्रश्न 32 (कठिन). अंत्योदय अन्न योजना (AAY) और अन्नपूर्णा योजना में मुख्य अंतर क्या है?
उत्तर – AAY निर्धनों में सबसे निर्धन परिवारों को अत्यधिक सब्सिडी पर 35 किग्रा अनाज देती है, जबकि अन्नपूर्णा योजना बेसहारा वरिष्ठ नागरिकों को 10 किग्रा खाद्यान्न पूरी तरह निःशुल्क प्रदान करती है।

» सहकारी समितियों और गैर-सरकारी संगठनों की भूमिका

प्रश्न 33 (आसान). तमिलनाडु में लगभग कितने प्रतिशत राशन दुकानें सहकारी समितियों द्वारा चलाई जा रही हैं?
उत्तर – लगभग 94 प्रतिशत।

प्रश्न 34 (आसान). गुजरात में श्वेत क्रांति लाने वाली प्रसिद्ध सहकारी समिति का नाम क्या है?
उत्तर – अमूल (Amul)।

प्रश्न 35 (मध्यम). महाराष्ट्र में 'अनाज बैंक' स्थापित करने में किस गैर-सरकारी संगठन (NGO) ने महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई?
उत्तर – एकेडमी ऑफ़ डेवलपमेंट साइंस (ADS)।

प्रश्न 36 (कठिन). खाद्य सुरक्षा में केवल सरकारी PDS प्रणाली ही क्यों काफ़ी नहीं है, सहकारी समितियों की क्या विशेष उपयोगिता है?
उत्तर – सरकारी व्यवस्था में दूरदराज़ के क्षेत्रों तक पहुँच और प्रबंधन की सीमाएँ होती हैं। सहकारी समितियाँ स्थानीय स्तर पर लोगों की भागीदारी से बिना बिचौलियों के नियंत्रित और वाजिब दरों पर भोजन व दूध उपलब्ध कराती हैं।

हल किए हुए उदाहरण (step-by-step)

उदाहरण 1. यदि किसी देश के गोदामों में अनाज का भारी भंडार मौजूद है, लेकिन देश के सुदूर आदिवासी क्षेत्रों में रहने वाले लोगों के पास उसे खरीदने का पैसा नहीं है, तो क्या उस देश में खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित है? कारण सहित स्पष्ट कीजिए।

› स्टेप 1: खाद्य सुरक्षा के तीनों आयामों की कसौटी पर स्थिति को परखें – उपलब्धता, पहुँच और सामर्थ्य।

› स्टेप 2: प्रश्न के अनुसार देश में अनाज की 'उपलब्धता' (Availability) तो है।

› स्टेप 3: परंतु लोगों के पास खरीदने का धन न होने के कारण 'सामर्थ्य' (Affordability) का अभाव है और सुदूर क्षेत्र होने से 'पहुँच' (Accessibility) में भी बाधा हो सकती है।

› स्टेप 4: निष्कर्ष निकालें कि खाद्य सुरक्षा तभी पूरी होती है जब तीनों आयाम एक साथ मौजूद हों।

उत्तर – नहीं, उस देश में खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित नहीं है क्योंकि खाद्य सुरक्षा के लिए केवल अनाज उपलब्ध होना काफी नहीं है, लोगों के पास उसे खरीदने की क्षमता (Affordability) होना भी अनिवार्य है।

उदाहरण 2. यदि किसी क्षेत्र में सूखा पड़ने से खाद्यान्न उत्पादन 50% गिर जाता है, तो वहाँ के गरीब परिवारों पर इसका क्या प्रभाव पड़ेगा?

› पहला कदम: उत्पादन गिरने से बाज़ार में खाद्यान्न की उपलब्धता (Supply) कम हो जाएगी।

› दूसरा कदम: आपूर्ति कम होने से खाद्यान्न की कीमतें (Prices) तेज़ी से बढ़ेंगी।

› तीसरा कदम: सीमित आय वाले गरीब परिवार महँगा अनाज खरीदने (Affordability) में असमर्थ हो जाएँगे, जिससे वे खाद्य असुरक्षित होकर भुखमरी की ओर बढ़ेंगे।

उत्तर – उत्पादन घटने से कीमतें बढ़ेंगी और गरीब परिवार भोजन खरीदने में असमर्थ होकर खाद्य असुरक्षा व भुखमरी का शिकार हो जाएँगे।

उदाहरण 3. रामू एक खेतिहर मजदूर है जो साल में केवल 8 महीने काम पाता है। शेष 4 महीने वह खाद्य-असुरक्षित क्यों रहता है? इसके दो प्रमुख कारण बताइए।

› पहला कारण: कृषि एक मौसमी कार्य है, जिससे फसल उगने की अवधि में रामू के पास कोई आय नहीं होती।

› दूसरा कारण: अनियत कामगार होने के कारण उसके पास बचत नहीं होती, जिससे वह बिना काम के दिनों में बाज़ार से अनाज नहीं खरीद पाता।

उत्तर – रामू आय की अनिश्चितता और मौसमी बेरोजगारी के कारण उन 4 महीनों में खाद्य-असुरक्षित हो जाता है।

उदाहरण 4. रमेश शहर में एक अनियत मजदूर है जो रोजाना ₹100 कमाता है और पूरे साल पौष्टिक भोजन नहीं जुटा पाता। दूसरी तरफ, सुधीर गाँव में किसान है जो केवल कटाई के मौसम में कमाता है और बाकी 4 महीने बेकार रहता है। पहचानिए कि दोनों किस प्रकार की भुखमरी के शिकार हैं?

› स्टेप 1: रमेश की स्थिति देखें – उसकी आय पूरे साल लगातार कम है और वह भोजन खरीदने में असमर्थ है। अतः रमेश 'दीर्घकालिक भुखमरी' (Chronic Hunger) का शिकार है।

› स्टेप 2: सुधीर की स्थिति देखें – उसकी समस्या साल के कुछ विशेष महीनों में कृषि कार्य न मिलने से जुड़ी है। अतः सुधीर 'मौसमी भुखमरी' (Seasonal Hunger) का शिकार है।

उत्तर – रमेश दीर्घकालिक भुखमरी का और सुधीर मौसमी भुखमरी का शिकार है।

उदाहरण 5. हरित क्रांति क्या थी और इसने भारत को खाद्यान्नों में आत्मनिर्भर बनाने में क्या भूमिका निभाई?

› स्टेप 1: 1960 के दशक में अपनाई गई नई कृषि नीति को हरित क्रांति कहते हैं।

› स्टेप 2: इसमें HYV बीजों, उर्वरकों और बेहतर सिंचाई का प्रयोग किया गया।

› स्टेप 3: परिणामस्वरूप गेहूं और चावल का उत्पादन अत्यधिक बढ़ा, जिससे भारत को विदेशों से अनाज आयात करने की आवश्यकता नहीं रही।

उत्तर – हरित क्रांति ने HYV बीजों और आधुनिक तकनीकों के बल पर गेहूं और चावल का बंपर उत्पादन करके भारत को खाद्यान्नों में आत्मनिर्भर बनाया।

उदाहरण 6. यदि बाज़ार में गेहूँ की कीमत 18 रुपये प्रति क्विंटल है और सरकार ने MSP 22 रुपये प्रति क्विंटल घोषित की है, तो किसान किसे फसल बेचेगा और क्यों? और आपदा के समय यदि सरकार यह गेहूँ राशन दुकान पर 2 रुपये प्रति क्विंटल में बेचती है, तो इस 2 रुपये की कीमत को क्या कहेंगे?

› कदम 1: किसान (रामू) बाज़ार कीमत (18 रु) और सरकार की MSP (22 रु) की तुलना करेगा। चूँकि MSP ज़्यादा है, किसान नुकसान से बचने के लिए अपनी फसल FCI को 22 रु में बेचेगा।

› कदम 2: FCI इस अनाज को बफर स्टॉक में रखेगी।

› कदम 3: आपदा के समय राशन दुकान पर जिस 2 रुपये प्रति क्विंटल की रियायती दर पर अनाज गरीबों को मिलेगा, उसे 'निर्गम कीमत' (Issue Price) कहा जाएगा।

उत्तर – किसान फसल FCI को MSP (22 रु) पर बेचेगा। आपदा में 2 रुपये प्रति क्विंटल की दर को 'निर्गम कीमत' कहेंगे।

उदाहरण 7. यदि एक BPL परिवार को प्रति माह PDS के तहत 35 क्विंटल अनाज (20 क्विंटल गेहूँ ₹2/क्विंटल और 15 क्विंटल चावल ₹3/क्विंटल) मिलता है, तो बाज़ार में गेहूँ ₹30/क्विंटल और चावल ₹35/क्विंटल होने पर उस परिवार की हर महीने कितनी बचत होती है?

› स्टेप 1: बाज़ार की कीमत पर कुल खर्च निकालें -> गेहूँ: 20 x 30 = ₹600, चावल: 15 x 35 = ₹525। कुल बाज़ार खर्च = ₹1125।

› स्टेप 2: राशन दुकान (PDS) पर खर्च निकालें -> गेहूँ: 20 x 2 = ₹40, चावल: 15 x 3 = ₹45। कुल राशन खर्च = ₹85।

› स्टेप 3: बचत की गणना करें -> ₹1125 - ₹85 = ₹1040।

उत्तर – PDS राशन प्रणाली के कारण उस गरीब परिवार की हर महीने ₹1040 की सीधी बचत होती है।

उदाहरण 8. एक निर्धन परिवार में 5 सदस्य हैं जो National Food Security Act 2013 के तहत पात्र हैं। यदि उन्हें प्रति व्यक्ति 5 क्विंटल गेहूँ ₹2 प्रति क्विंटल की दर से मिलता है, तो उन्हें कुल कितना भुगतान करना होगा?

› स्टेप 1: कुल गेहूँ की मात्रा = 5 सदस्य × 5 क्विंटल = 25 क्विंटल।

› स्टेप 2: गेहूँ की दर = ₹2 प्रति क्विंटल।

› स्टेप 3: कुल खर्च = 25 क्विंटल × ₹2 = ₹50।

उत्तर – परिवार को कुल ₹50 का भुगतान करना होगा।

उदाहरण 9. खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करने में सहकारी समितियों और NGOs के योगदान को उदाहरण सहित समझाइए।

› स्टेप 1: सहकारी समितियों का योगदान बताएँ – कम कीमत वाली दुकानें खोलकर गरीबों को खाद्य वस्तुएँ देना (जैसे तमिलनाडु में 94% राशन दुकानें सहकारी हैं)।

› स्टेप 2: प्रमुख उदाहरण दें – अमूल (गुजरात में दुग्ध क्रांति) और मदर डेयरी (दिल्ली में नियंत्रित दरों पर दूध व सब्ज़ियाँ)।

› स्टेप 3: NGOs का योगदान बताएँ – जैसे महाराष्ट्र में ADS (Academy of Development Science) द्वारा अनाज बैंकों की स्थापना करना।

उत्तर – सहकारी समितियाँ और NGOs सरकारी व्यवस्था के साथ मिलकर सस्ती दरों पर दूध, सब्ज़ियाँ और अनाज उपलब्ध कराकर खाद्य सुरक्षा को ज़मीनी स्तर पर मज़बूत बनाते हैं।

बोर्ड परीक्षा के लिए ख़ास

• यह प्रश्न परीक्षा में 3 अंक का बार-बार पूछा जाता है। उत्तर लिखते समय तीनों शब्दों (उपलब्धता, पहुँच, सामर्थ्य) को हेडिंग बनाकर एक-एक लाइन की परिभाषा ज़रूर लिखें।

• बोर्ड परीक्षा में 1943 के 'बंगाल के अकाल' का उदाहरण और 'आपदा का खाद्य सुरक्षा पर प्रभाव' का फ्लोचार्ट बनाकर उत्तर देने से पूरे अंक मिलते हैं।

• बोर्ड परीक्षा में उत्तर लिखते समय ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों के खाद्य-असुरक्षित वर्गों को अलग-अलग बिंदुओं में वर्गीकृत करके लिखें, अंक पूरे मिलेंगे।

• बोर्ड परीक्षा में दीर्घकालिक और मौसमी भुखमरी के बीच अंतर का 3 अंकों का प्रश्न अक्सर आता है। उत्तर लिखते समय दोनों के कारण और उदाहरण अलग-अलग बिंदुओं में लिखें।

• परीक्षा में हरित क्रांति के दो मुख्य घटकों (HYV बीज और सिंचाई) और मुख्य फसलों (गेहूं, चावल) के नाम जरूर लिखें।

• बोर्ड परीक्षा में 3 अंकों का प्रश्न 'बफर स्टॉक क्यों बनाया जाता है?' अक्सर आता है – इसमें MSP, FCI और निर्गम कीमत तीनों शब्दों को रेखांकित करके उत्तर लिखें।

• बोर्ड परीक्षा में PDS की परिभाषा और तीनों प्रकार के राशन कार्डों (APL, BPL, अंत्योदय) का पूरा नाम और अंतर ज़रूर पूछा जाता है, इसे अंतर तालिका (table) बनाकर लिखें।

• बोर्ड परीक्षा में NFSA 2013 के अनाज के मूल्य (₹3, ₹2, ₹1) और लाभार्थियों के प्रतिशत पर 3-अंक का प्रश्न अक्सर पूछा जाता है।

• बोर्ड परीक्षा में उत्तर लिखते समय तमिलनाडु का 94% राशन दुकान वाला आँकड़ा और ADS के अनाज बैंक का उदाहरण ज़रूर लिखें, इससे पूरे अंक मिलते हैं।

एक नज़र में रिवीज़न

› खाद्य सुरक्षा = उपलब्धता (Availability) + पहुँच (Accessibility) + सामर्थ्य (Affordability)।

› आपदा से उत्पादन गिरता है, कीमतें बढ़ती हैं और व्यापक भुखमरी से अकाल पड़ता है।

› भूमिहीन, दिहाड़ी मजदूर, SC/ST और महिला-बच्चे खाद्य असुरक्षा से सर्वाधिक प्रभावित हैं।

› दीर्घकालिक भुखमरी = लगातार कम आय; मौसमी भुखमरी = काम के मौसमी चक्र से जुड़ी बेरोज़गारी।

› 1960 के दशक की हरित क्रांति (HYV बीज) से भारत गेहूं-चावल में आत्मनिर्भर बना।

› MSP पर किसानों से अनाज खरीदकर FCI बफर स्टॉक बनाता है, जो निर्गम कीमत पर बाँटा जाता है।

› PDS = राशन दुकानों के ज़रिए BPL, APL और अंत्योदय कार्डधारकों को सस्ता अनाज देना।

› NFSA 2013 (75% ग्रामीण, 50% शहरी), AAY (35kg अति-गरीब), अन्नपूर्णा (10kg मुफ़्त बुजुर्ग)।

› सहकारी समितियाँ (अमूल, मदर डेयरी) और NGOs (ADS अनाज बैंक) सस्ती दरों पर भोजन पहुँचाते हैं।